आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 21.09.2020

मॉडर्न कोच फैक्टरी रायबरेली सफलता के नित नये आयाम स्थापित कर रहा है।

कोच उत्पादन

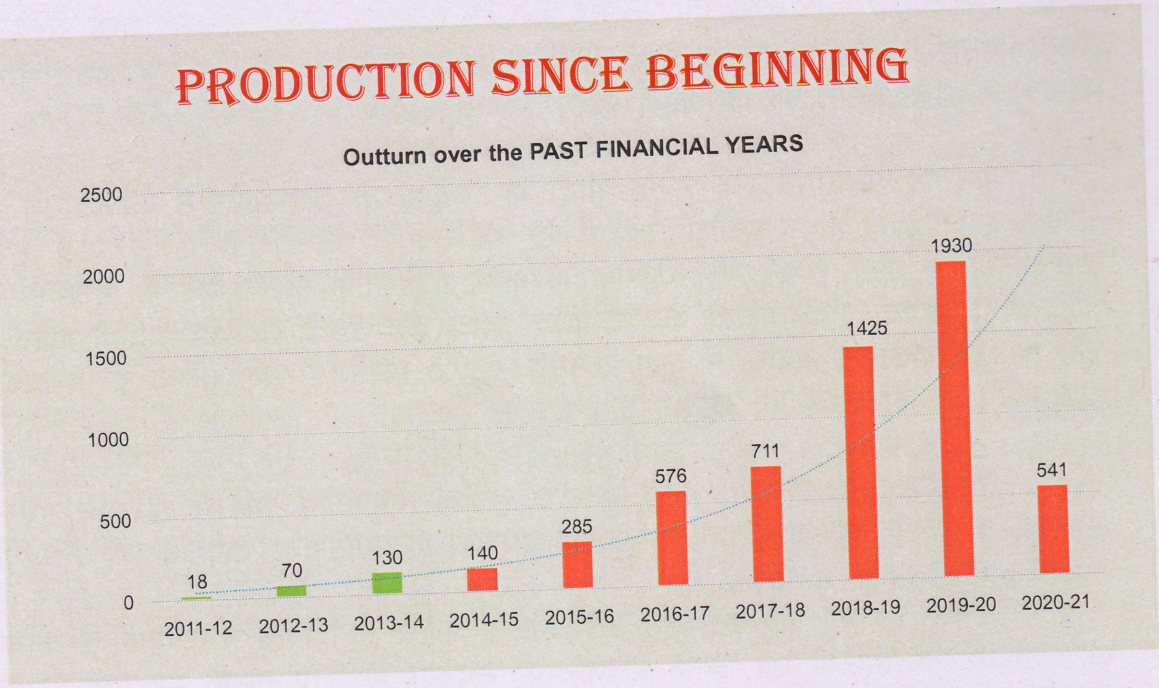

एमसीएफ के महाप्रबंधक श्री विनय मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष मे कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण उत्पादन लक्ष्य 1229 कोच का कर दिया गया है।

एमसीएफ को 1000 कोच के लिए डिजाइन किया गया है। 2018–19 मे डिजाइन क्षमता से अधिक तथा 2017–18 की तुलना में दो गुने से ज्यादा 1425 कोच के उत्पादन का रिकार्ड आरेडिका द्वारा बनाया गया। विकास यात्रा का सफर यहीं नहीं रूका तथा वर्तमान महाप्रबन्धक श्री वी. एम. श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में एमसीएफ ने 2019–20 में 1930 कोच बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया। कोविड–19 वैश्विक महामारी से प्रभावित होने के बावजूद एमसीएफ द्वारा अगस्त माह में 165 कोच का उत्पादन किया गया जो अगस्त 2019 के कुल उत्पादन 128 कोच से अधिक है और दिनॉक 20.09.2020 तक कुल उत्पादन 541 कोच का हो चुका है जबकि कोविड–19 के चलते एमसीएफ पूर्ण क्षमता से कम आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ उत्पादन कार्य कर रहा है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने हेतु सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के बाद आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना मे उत्पादन दिनॉक 23.03.2020 से पूर्णतः बंद हो गया। यहाँ काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के लगभग 2300 परिवार (लगभग 4500 सदस्य) आरेडिका की आवासीय कॉलोनी "प्रशांति परिसर" में रहते हैं।

लॉकडाउन के दौरान आवश्यक सेवाओं को जारी रखने के लिए आरेडिका प्रशासन ने कर्मचारियों को चिन्हित कर उनका रोस्टर बनाकर कार्य कराया। सुरक्षा प्रबंधन और चिकित्सकीय सेवाएं भी अनवरत जारी रहे इसके लिए कर्मचारी कार्यरत थे।

आरेडिका प्रशासन नें समन्वय हेतु एक सेंट्रल कण्ट्रोल रूम स्थापित किया। यह कण्ट्रोल रूम प्रतिदिन आरेडिका में होने वाली कोविड सम्बंधी गतिविधियों पर निगरानी रख रहा था।

गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा रेलवे बोर्ड द्वारा समय–समय पर जारी सर्कुलर, Do-Donts आदि के बारे में सोशल मीडिया, मेल व अन्य साधनों के द्वारा लोगों को जानकारी दी गयी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुपालन में लॉकडाउन अवधि के दौरान एमसीएफ के आवासीय एवं फैक्ट्री परिसर में निर्माण कार्य से जुड़े हुए संविदा कर्मचारियों के लिए राशन की व्यवस्था करवायी गई ताकि किसी को भी भूखे पेट न सोना पड़े। सभी संविदा कर्मचारियों की सामयिक जांच कर उनके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा था। लॉकडाउन अवधि में कुल लगभग 12400 व्यक्तियों की संख्या के बराबर (लगभग 400 परिवारों) को राशन बॉटे गए।

लॉकडाउन के कारण बहुत से ट्रक ड्राईवर एमसीएफ परिसर मे रूक गए थे। ट्रक ड्राईवरों के लिए जरूरी भोजन एवं पानी उपलब्ध कराया गया तथा इनकी नियमित थर्मल स्क्रीनिंग भी करवाई जाती रही।

कोविड–19 की रोकथाम हेतु लॉकडाउन अवधि के दौरान एमसीएफ में कार्यरत सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए मास्क का वितरण, हाम्योपैथी दवा Arsenic Alubum-30 का वितरण, घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री जैसे कि फल, सब्जी, दूध, किराने का सामान आदि घर–घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

रायबरेली जिला प्रशासन से शर्तों के साथ एमसीएफ को शुरू करने कि अनुमति मिलने के बाद दिनांक 09.05.2020 से कार्यालय व कार्य प्रारम्भ होने के बाद कारखाना एवं कार्यालयों में कोविड–19 से बचाव संबंधी जरूरी तैयारियां की गई। इसमे सेनिटाईजेशन, कार्यालय एवं कारखाना परिसर के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग इत्यादि कि व्यवस्था की गई।

कोरोना वायरस महामारी के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी किये गए पैम्फलेट बॉटे गए। साथ ही जगह–जगह लोगों की जागरूकता के लिए बैनर लगाया गया जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस महामारी से बचाव की जानकारी प्राप्त कर सकें।

एमसीएफ के आई टी विभाग तथा आरपीएफ द्वारा CARES (Covid-19 Area Restricted Employees System) Application बनाया गया है। इसके द्वारा रियल टाइम बेस

पर कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों के नजदीकी स्थान से आने वाले व्यक्तियों को ट्रेस किया जाता है तथा इसके माध्यम से एमसीएफ में उनके प्रवेश को वर्जित किया जा रहा है।

कोविड–19 से बचाव के लिए जिला कोविड टीम के सदस्यों के सहयोग से RT PCR टेस्ट की व्यवस्था एमसीएफ के आवासीय परिसर स्थित वर्कर क्लब में करवाया गया जिसमे एमसीएफ के कर्मचारियों एवं उनके परिवारीजन ने टेस्ट करवाया। सबसे पहले एमसीएफ परिसर में एक कर्मचारी के दो रिश्तेदार संक्रमित होकर आये जिसकी जानकारी मिलते ही प्रबंधतंत्र ने बचाव के समुचित उपाय करते हुए परिसर को सैनेटाइज कराया। एमसीएफ में अब तक कुल 14 लोग कोविड 19 से संक्रमित हुए जिन्हें समुचित इलाज हेतु जिला प्रशासन के पास भेजा गया और उनके सम्पर्क में आये व्यक्तियों को तुरन्त क्वारंटीन करते हुए उनसे संबंधित स्थानों को पूर्णरूप से सैनेटाइज कराया गया तथा आवश्यक टेस्टिंग करायी गयी, जिससे संक्रमण रोका जा सके।

कोविड–19 के संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए एमसीएफ रेलवे अस्पताल को स्थानीय प्रशासन को दिया गया। इसे एल–2 अस्पताल के रूप में राज्य सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है।

कारखाना में कोविड–19 के महामारी से बचाव की व्यवस्था के पश्चात जून 2020 से कारखाना में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया गया और जून माह में कम कर्मचारियों के उपस्थिति के बाद भी एमसीएफ ने 100 कोच का उत्पादन किया। इस दौरान आउटसोर्सिंग द्वारा आने वाले कामगारों की कमी रही। कोविड–19 से बचाव हेतु सभी सरकारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के बावजूद इस वर्ष अगस्त माह में 165 कोच का उत्पादन किया गया जो अब तक किसी भी वर्ष के अगस्त माह का अधिकतम उत्पादन है।

पर्यावरण कि संरक्षा के लिए कदम बढ़ाते हुए एमसीएफ द्वारा पिछले वर्ष लगभग 18,000 पेड़ लगाये गये थे एवं इस वर्ष लगभग 30,000 पेड़ लगाने का लक्ष्य है। विगत तीन महीनों में लगभग 15,000 पेड़ लगाए गए।

एमसीएफ में स्थित 03 मेगावाट क्षमता के सोलर संयंत्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 में कुल 36 लाख 78 हजार 245 यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया।

आरेडिका की कुछ अन्य उपलब्धियां

MCF को वर्ष 2019 में Best Production Unit का शील्ड प्राप्त हुई।

वर्ष 2019 में ही MCF को Golden Peacock Best Innovation Management Award" से सम्मानित किया गया।

वर्ष 2019 में MCF "Greenco Platinum Rating" प्राप्त करने वाला भारतीय रेल का प्रथम उत्पादन इकाई बना।

उर्जा बचत में MCF के अच्छे कार्य को देखते हुए CII संस्था के द्वारा Energy efficient unit shield प्रदान की गयी।

IRIS (International Railway Industry Standard) Certification (ISO-22163:2017) प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाला आरेडिका भारतीय रेल में प्रथम उत्पादन इकाई बना।

Indian School of Business, Hyderabad द्वारा एक अध्ययन किया जा रहा है जिसमें यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि एमसीएफ की स्थापना से इसके चारो तरफ स्थित स्थानों तथा उसमें निवास करने वाले लोगों के जीवन पर क्या असर पडा है। इस अध्ययन में यह उभर कर आया है कि एमसीएफ की स्थापना से इस इलाके की रोड कनेक्टविटी, रोजगार उपलब्धता, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधा पर्याप्त रूप से बढ़ी है इसके अतिरिक्त खेल–कूद की सुविधाएँ, पर्यावरण एवं स्किल इम्प्रूवमेंट इत्यादि के क्षेत्र में पर्याप्त अनुकूल प्रभाव हुआ है।

(वी. के. दूबे) 21/09/2020
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

Some Photographs